युवा बनें जिम्मेदार नेता, इस पर किया जाएगा फोकस

आईआईएम में अब डायरेक्टर की जिम्मेदारी निभाएंगे प्रो. हिमांशु रॉय

पीपुल्स संवाददाता ● इंदौर
मो.नं. 9685625277

आईआईएम इंदौर (भारतीय प्रबंध संस्थान इंदौर) में अब डायरेक्टर की जिम्मेदारी प्रो. हिमांशु रॉय द्वारा निभाई जाएगी। उन्होंने साल 2018 के आखिरी दिन सोमवार को कार्यभार संभाला। इस दौरान चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि अब आईआईएम का सबसे

बड़ा उद्देश्य जिम्मेदार नेता बनने में युवाओं की हेल्प करना है। इसके साथ ही शहर में ही रिसर्च को बढ़ावा देना भी हमारा उद्देश्य होगा।

विदेशी संस्थानों का भी सहयोग लेंगे

उन्होंने कहा कि विदेशी संस्थानों के सहयोग से कार्यक्रमों को निरंतर रूप से जारी रखते हुए उन्हें बेहतर किया जाएगा। इसके साथ ही अब तक आईआईएम पार्टिसिपेंट्स को एक-चौथाई अंतरराष्ट्रीय एक्सपोजर मिलता था, अब इसे बढ़ाने के लिए योजना बनाई जाएगी, ताकि इस प्रतिशत को बढ़ाया जा सके।

Peoples Samachar, January 1, 2019, Page -2

आइआइएम इंदौर के नए डायरेक्टर हिमांशु राय ने सामने रखा विजन

सिर्फ संस्थान नहीं शहर की भलाई के लिए भी काम करेंगे आइआइएम-आइ स्टूडेंट्स

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

इंदौर ◆ इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (आइआइएम) इंदौर के नए डायरेक्टर प्रो. हिमांशु राय ने सोमवार को प्रो. ऋषिकेश टी कृष्णन से चार्ज ग्रहण किया। इस दौरान उन्होंने अपने विजन को लेकर चर्चा की। कहा कि हमारा उद्देश्य साफ है। यहां पर अब जिम्मेदार नेतृत्व तैयार करेंगे। इसके लिए दो चीजों की जरूरत है, ज्ञान का सृजन (क्रिएट नॉलेज) और ज्ञान का प्रसार (डिस्सेमिनेट नॉलेज)। हमारा फोकस रिसर्च पर ज्यादा रहेगा। सरकार की उन नीतियों पर रिसर्च करेंगे, जो हर व्यक्ति से जुड़ी हुई हैं। पता लगाएंगे कि देश, राज्य, क्षेत्र, शहर और पर्यावरण को किस तरह बेहतर रूप से सेवा दे सकते हैं। सिर्फ संस्थान तक ही सीमित नहीं रहेंगे, इसके बाद शिक्षा शास्त्र पर काम करेंगे। नए शिक्षा शास्त्र अपनाएंगे ताकि ज्यादा से ज्यादा लोगों तक नॉलेज पहुंचा सकें। एक जिम्मेदार नेतृत्व (रिस्पॉन्सिबल लीडरशिप) तैयार करने के मामले में आइआइएम को दुनिया की टॉप संस्थान बनाने के लिए प्रयास करेंगे। देश का सबसे स्वच्छ शहर अब स्वच्छ नेतृत्व (क्लीन लीडर्स) तैयार करेगा। राज्य सरकार के साथ मिलकर गवर्नेंस में सुधार के लिए काम होगा।

संस्थान व एनजीओ को करेंगे मदद

स्थानीय समुदाय के साथ स्टूडेंट्स पहले से ही जुड़े हुए हैं लेकिन अब इसे बढ़ाया जाएगा। स्थानीय समस्याओं को सुलझाने के लिए काम करने के लिए फैकल्टी व स्टूडेंट्स को प्रोत्साहित करेंगे। छोटी संस्थाएं, एनजीओ के कामों को बेहतर करने के लिए प्लानिंग व स्ट्रेटेजी में मदद करेंगे। इससे स्टूडेंट्स देश की असल समस्याओं से रूबरू होंगे।

100 फीसदी को मिले इंटरनेशनल एक्सपोजर

प्रो. राय ने कहा कि वैश्विक संस्थानों के फैकल्टीज व स्कॉलर्स को बुलाकर साथ में रिसर्च करने के लिए प्रोत्साहित करेंगे। हमारे एक्सचेंज प्रोग्राम में सिर्फ एक चौथाई स्टूडेंट्स को ही इंटरनेशनल एक्सपोजर मिलता है, लेकिन इसे 100 फीसदी करना उद्देश्य है। एक इंटरनेशनल एकेडमिक एडवायजरी बोर्ड बनाएंगे, जिसमें दुनियाभर के एकेडमिक एक्सपर्ट्स हमें मदद करेंगे।

फैमिली बिजनेस पर रिसर्च करेंगे

फैमिली बिजनेस पर हमारे देश में ज्यादा काम नहीं हुआ है जबकि यह बहुतायत में है। इस पर रिसर्च करेंगे। आइआइएम में इंटरप्रेन्योरशिप, स्टार्टअप के लिए अब तक सिर्फ स्टूडेंट्स को ही मदद करते आए हैं, लेकिन इसका विस्तार कर बाहरी युवाओं को भी शामिल किया जाएगा। संस्थान स्तर पर ही स्टूडेंट्स को इंटरप्रेन्योरशिप के लिए प्रोत्साहित करने के लिए डिग्री के एक साल बाद भी प्लेसमेंट का प्रस्ताव तैयार करेंगे। अगर स्टूडेंट्स इस एक साल में सफल नहीं होते तो उन्हें दूसरे साल भी प्लेसमेंट का ऑफर मिल सके।

जल्द अमरीकी संस्था से मिलेगी मान्यता

दुनिया की सिर्फ 100 संस्थानों को ही ट्रिपल क्राउन (ब्रिटेन की एम्बा, अमरीका की एसीसीएसबी और यूरोप की एक्यूस) नसीब हुआ है। आइआइएम इंदौर को एम्बा की मान्यता मिल चुकी है। इसी माह अमरीका की एसीसीएसबी टीम दौरा करने वाली है। खुशखबरी मिलने की उम्मीद है। साल के अंत में यूरोपियन संस्था का भी दौरा होने वाला है।

Patrika, January 1, 2019, Page -15

शहर का ट्रैफिक मैनेजमेंट सुधारने में मदद करेगा आईआईएम, विशेषज्ञों से होगी बात

नए डायरेक्टर प्रो. हिमांशु रॉय अगले छह महीने में लेंगे एक्शन, गाइडलाइन करेंगे तय

इंदौर। नईदुनिया रिपोर्टर

इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (आईआईएम) इंदौर से शहर को उम्मीद रहती है कि उच्च संस्थान होने के नाते स्थानीय लोगों को इसका फायदा मिले। इस सवाल पर संस्थान के नए डायरेक्टर प्रो. हिमांशु रॉय ने कहा कि समाज को फायदा पहुंचाने वाली रिसर्च करेंगे। इसमें पर्यावरण सुधार भी शामिल रहेगा। इसकी शुरुआत लोकल स्तर पर की जाएगी। इसके तहत शहर की ट्रैफिक व्यवस्था सुधारने के लिए अगले छह महीने में विषय विशेषज्ञों से बात करेंगे। इसके लिए गाइडलाइन तैयार करेंगे। संस्थान के स्टूडेंट्स की भी इसमें मदद ली जाएगी। शहर की और किन समस्याओं को संस्थान दूर कर सकता है इसके लिए प्रो. रॉय शहर की पैदल यात्रा कर जानने की कोशिश करेंगे। सोमवार को प्रेस कांफ्रेंस में डायरेक्टर ने अगले सालों में किए जाने वाले कामों को लेकर जानकारी दी।

प्रो. रॉय ने कहा जब वे इटली के संस्थान में पढ़ाने गए थे तो वहां देखा कि फैमिली बिजनेस को आगे बढ़ाने पर वहां बहुत काम हो रहा है। हमारे देश में भी कई फैमिली सालों से किसी बिजनेस को संचालित कर रही है। कई यूथ इससे दूरी बनाकर अन्य बिजनेस में रुचि लेते हैं। ऐसे में फैमिली बिजनेस सीमित दायरे तक ही रह जाता है। इसके लिए आईआईएम इंदौर ईको सिस्टम बनाएगा।

जॉब नहीं मिला तो दोबारा चांस देगा संस्थान

■ आपके मुख्य मकसद क्या रहेंगे?

संस्थान को विश्वस्तरीय स्थान पर ले जाना है। इसके लिए टीचिंग मैथड को बेहतर करना, रिसर्च को बढ़ावा देना और ज्यादा से ज्यादा इंडस्ट्रीज को जोड़ना है। इंटरनेशनल स्तर के संस्थानों से समझौता करना है और संस्थान का इंफ्रास्ट्रक्चर भी बेहतर करना है।

■ किस क्षेत्र में रिसर्च की शुरुआत करेंगे?

लोकल स्तर की समस्याओं को दूर करने के लिए एनजीओ के साथ काम करेंगे। पर्यावरण सुधार पर काम करने के लिए शहर के ट्रैफिक मैनेजमेंट को बेहतर करने में मदद करेंगे।

■ इसकी शुरुआत कब से होगी?

छह महीने में ट्रैफिक मैनेजमेंट को लेकर काम की शुरुआत कर दी जाएगी। विशेषज्ञों से बात करके प्रशासन को साथ में लेंगे।

■ कई बिजनेस को शुरुआत में कंसल्टेंसी की जरूरत पड़ती है। इसके लिए संस्थान कुछ करेगा?

संस्थान खुद के स्टूडेंट्स को ही नहीं बल्कि बाहर के युवाओं को भी इंटरेप्रन्योरशिप और स्टार्टअप में मदद करेगा। इसके लिए कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा।

■ संस्थान में अगले दिनों में क्या नया होने जा रहा है?

कुछ दिनों में अमेरिका का संस्थान एक्रिडेशन देने के लिए निरीक्षण करने आएगा।

■ जिन स्टूडेंट्स को जॉब नहीं मिल पाता उनके लिए क्या प्लान है?

हम कोशिश करेंगे कि जिन स्टूडेंट्स को जॉब नहीं मिल पाता उन्हें एक साल तक अपने स्तर पर जॉब तलाशने के लिए कहे। इसके बाद भी सफल नहीं हो पाते हैं तो संस्थान उन्हें प्लेसमेंट प्रक्रिया में बैठने के लिए एक और चांस दे।

■ किसानों को राहत देने के लिए क्या कर्ज माफी का रास्ता सही है?

इस बारे में प्रोफेसर होने के नाते ज्यादा कुछ कह नहीं सकता, लेकिन यह एक तरह से किसानों के लिए पैरासिटेमोल है। किसानों की मदद करने के लिए संस्थान अपने स्टूडेंट्स की टीम बनाकर गांवों में भेजेगा।

■ आपका लाइफ मैनेजमेंट फंडा क्या है?

जिन जगहों पर बदलाव की संभावनाएं है उस पर फोकस करें। जहां बदलाव नहीं हो सकता वहां एनर्जी वेस्ट न करें। न दूसरों का समय बर्बाद करें और न खुद का होने दे।

Nai Dunia, January 1, 2019, Page -13

IIM-I to focus on int'l exposure, research: Rai

Professor Rishikesha T Krishnan giving charge to Professor Himanshu Rai

New director: Will conduct researches to contribute to society

OUR STAFF REPORTER
Indore

The new director of Indian Institute of Management Indore Professor Himanshu Rai on Monday said his main focus will be to develop a strategy that can create responsible leaders who remain contextually relevant.

Addressing mediapersons after taking charge from outgoing director Professor Rishikesha T Krishnan, Professor Himanshu Rai said, "We will focus on research, which is not only rich in content and data but also contributes to society, city, state and nation. We aim to be one of the top institutes in the world."

He said IIM Indore would focus on raising leaders, entrepreneurs and managers with integrity. "We look forward to working with government organisations for betterment of nation; with NGOs to reform and bring about a positive change in the society; and with start-ups to encourage young minds and support them in every way required."

He said though India has many family businesses, a good volume of research about family businesses is done in Italy. "We are planning to involve more foreign universities, bring faculty from abroad who will not only teach our participants but also collaborate with our faculty for research. As of now, one fourth of our participants have international exposure but we plan to make this cent percent."

Free Press, January 1, 2019, Page -3

आईआईएम के नए निदेशक बोले- देश में नहीं हुई फैमिली बिजनेस पर रिसर्च, अब यहां करेंगे

भास्कर संवाददाता.इंदौर

आईआईएम अभी काफी बेहतर स्थिति में है। इसको अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लेकर जाना है। यहां के छात्र और फैकल्टी का अभी सीधा और ज्यादा इंटरैक्शन बाहरी लोगों के साथ नहीं है। मेरा मिशन यहां के इंस्टिट्यूट को बिजनेस स्कूल बनाने का है। हमारा पूरा फोकस हर तरह के रिसर्च पर रहेगा। इसमें मुख्य रूप से यह देखा जाएगा कि पॉलिसियों का प्रभाव देश और प्रदेश पर किस तरह से पड़ता है। अभी तक भारत में कही पर भी फैमिली बिजनेस को लेकर कोई रिसर्च नहीं किया गया है, जबकि सबसे ज्यादा भारत में लोग फैमिली बिजनेस पर ही रुचि लेते हैं। इटली में सबसे ज्यादा रिसर्च इसी पर हुआ है।

यह बात आईआईएम इंदौर के नवागत डायरेक्टर हिमांशु राय ने सोमवार को पत्रकारों से कही। उन्होंने स्पष्ट कर दिया कि अभी तक आईआईएम का स्टाफ और स्टूडेंट्स बाहरी दुनिया से एक तरह से कटे हुए हैं, इन्हें जोड़ने के प्रयास किए जाएंगे। आईपीएम के अनुकूल स्टाफ तो पूरा है, लेकिन इन्फ्रास्ट्रक्चर की जरूरत है। इसे तैयार किया जा रहा है। हालांकि आईआईएम के अन्य विभागों के लिए फैकल्टी की जरूरत है। आने वाले समय में मेरा सबसे ज्यादा फोकस शिक्षा पर रहेगा। साथ ही इस पर भी ध्यान दिया जाएगा कि अन्य देशों के साथ हमारा नॉलेज ट्रांसफर किस तरह से हो रहा है। हम ऐसे प्रयास करेंगे कि आईआईएम इंदौर का नाम विश्व की टॉप यूनिवर्सिटीज में शामिल हो।

आईआईएम के पूर्व निदेशक प्रो.कृष्णन नए डायरेक्टर प्रो. राय को पदभार देते हुए।

उन्होंने बताया कि हम यहां पर अच्छे गवर्नेंस को लेकर रिसर्च कर रहे हैं। आईआईएम इंदौर प्रयास करेगा कि जिस तरह से शहर साफ हुआ है उसी तरह से साफ नेता भी यहां से तैयार हों। हम अन्य देशों की यूनिवर्सिटीज के फैकल्टी को बुलाकर न केवल उनके लेक्चर करवाएंगे, बल्कि हमारे फैकल्टी के साथ ही उनका इंटरैक्शन रखेंगे। आईआईएम में एक्रेडिटेशन को लेकर इसी महीने अमेरिका की एक टीम विजिट करने वाली है।

Dainik Bhaskar, January 1, 2019, Page -6

IIM-Indore aims to get 2nd int'l accreditation this yr: Director

TOI

TIMES NEWS NETWORK

Professor R T Krishnan welcomes new director Himanshu Rai

Indore: Indian Institute of Management (IIM) Indore aims to get second international accreditation this year, said Professor Himanshu Rai who took charge as the director on Monday. Rai's predecessor Professor Rishikesha T Krishnan completed his 5 year tenure at the institute and handed over the directorship to Rai in an official ceremony on Monday.

IIM-I is already been accredited with AMBA (Association of MBAs), a UK accreditation.

The other two international accreditations for business schools are Association to Advance Collegiate Schools of Business (AACSB) and European Quality Improvement System (EQUIS) accreditations.

Rai said, "The accreditation team for AACSB is visiting the campus this month and we are very hopeful. Hopefully by this year we should have the second crown." Accreditation is a buzzword at most of the management institutions with around 100 business schools in the world with Triple Crown and a few more hundreds with dual crown. The third accreditation EQUIS team is also visiting the institute this year.

The director stressed that a lot of focus shall be given on research on local problems, family run business, MSME's of the state, assistance to startups and good governance within the institute and in collaboration with foreign researchers.

Rai said, "We will do research on the policies of the state, good governance, logistics and how to make government departments function more effectively."

"We are going to invite faculties from abroad to teach students and do some collaborative researches with faculty on long term projects," Rai said. He also aimed to have an international academic advisory board to share expertise on building a better curriculum.

Rai aims to develop a strategy that helps the institute create responsible leaders who remain contextually relevant.

IIM Indore would focus on creating leaders, entrepreneurs and managers.

"We look forward to working with government organizations in betterment of the nation with NGOs to reform and bring about a positive change in the society and with startups who are not involved with the institute as well to encourage young minds and support them in every way required", he said.

The Times of India, January 1, 2019, Page -3

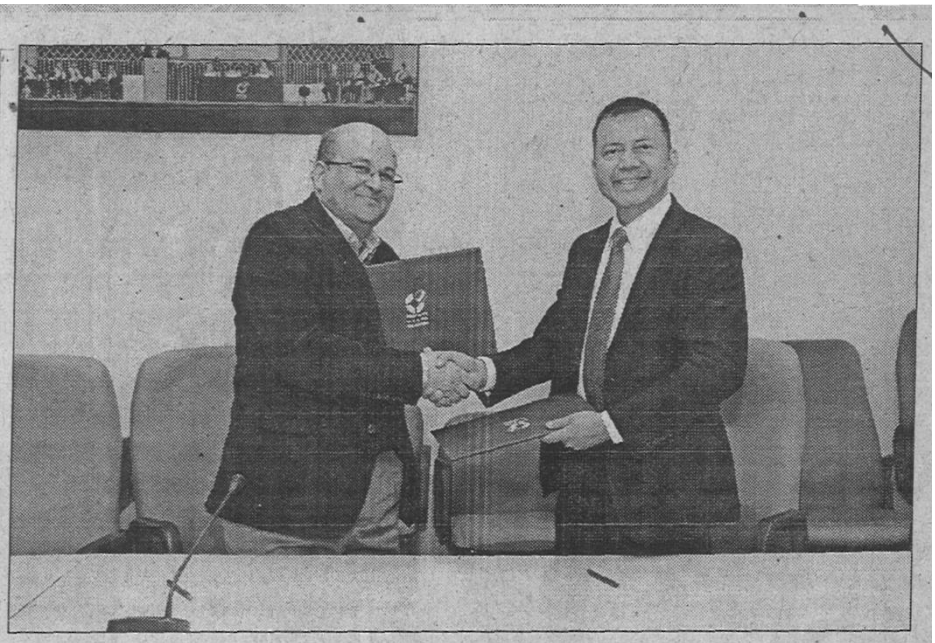

कंटेंट नहीं, बल्कि समाज और देश के लिए कारगर साबित होने वाले शोध पर देंगे ध्यान

इंदौर। आईआईएम इंदौर के निदेशक प्रोफेसर ऋषिकेश टी. कृष्णनन का पांच साल का कार्यकाल समाप्त हुआ। उन्होंने प्रोफेसर हिमांशु राय को एक आधिकारिक समारोह में सोमवार को निदेशक का कार्यभार सौंपा।

प्रोफेसर राय ने संस्थान के मिशन के बारे में चर्चा की। उन्होंने बताया हमारा उद्देश्य एक स्ट्रेटजी तैयार कर संस्थान में बेहतर लीडर तैयार करना है। हम ऐसे शोध करने भी ध्यान देंगे जो न केवल कंटेंट और डाटा पर फोकस हो बल्कि वह हमारे समाज, शहर, राज्य और देश के लिए भी कारगर साबित हो। साथ ही हम नई शिक्षा के लिए योजना बनाएंगे, हम आने वाले समय में दुनिया के शीर्ष संस्थानों में एक होने का लक्ष्य रखकर आगे बढ़ेंगे। इंदौर के सबसे स्वच्छ शहर होने के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा संस्थान क्लीन लीडर्स, एंटरप्रिन्योर्स और मैनेजर्स बनाने पर ध्यान केंद्रित करेगा। साथ ही हम सरकारी संगठनों के साथ भी काम करेंगे।

Raj Express, January 1, 2019, Page -11